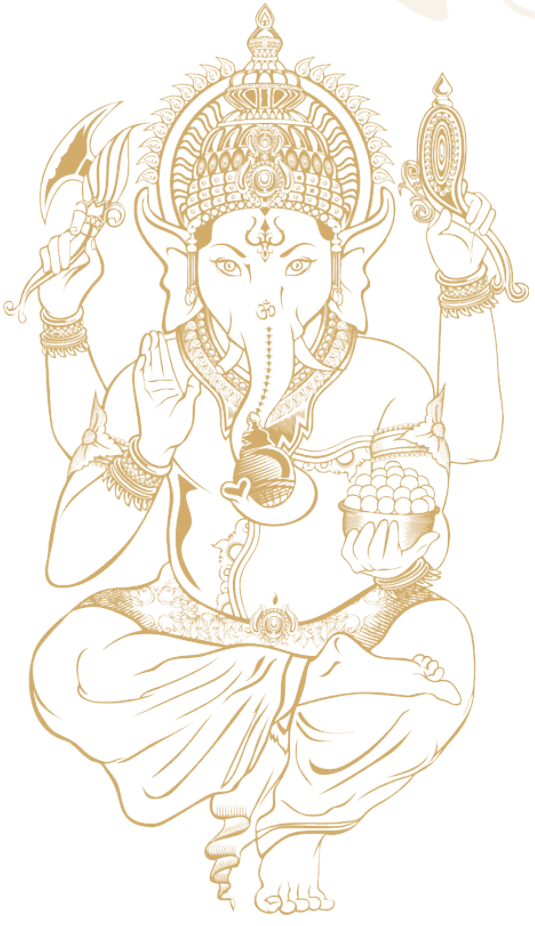

Vishal jain

Garima bandhari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120770513

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/12/1994	जन्म तिथि	01/06/2002
शुक्र-शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 05:40:00	जन्म समय	10:15:00 घंटे
घटी 56:09:05	जन्म समय(घटी)	11:30:42 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Pali
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	73:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:36:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:22	सूर्योदय	05:59:44
17:41:45	सूर्यास्त	19:09:35
23:47:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 1मा 25दि	09:50:16	वृश्चि	लग्न	कर्क	14:06:47	मंगल 5वर्ष 3मा 26दि
गुरु	01:01:39	धनु	सूर्य	वृष	16:38:39	गुरु
11/02/2023	19:07:42	वृष	चंद्र	मक	26:31:41	27/09/2025
11/02/2039	07:10:36	सिंह	मंगल	मिथु	08:33:18	27/09/2041
गुरु 31/03/2025	02:38:00	धनु	बुध व	वृष	09:19:59	गुरु 15/11/2027
शनि 12/10/2027	07:50:04	वृश्चि	गुरु	मिथु	22:43:40	शनि 28/05/2030
बुध 17/01/2030	17:50:22	तुला	शुक्र	मिथु	20:00:14	बुध 02/09/2032
केतु 24/12/2030	13:06:13	कुंभ	शनि	वृष	23:29:42	केतु 09/08/2033
शुक्र 24/08/2033	20:32:49	तुला व	राहु	वृष	23:59:25	शुक्र 09/04/2036
सूर्य 12/06/2034	20:32:49	मेष व	केतु	वृश्चि	23:59:25	सूर्य 26/01/2037
चन्द्र 12/10/2035	00:51:00	मक	हर्ष	कुंभ	04:56:53	चन्द्र 28/05/2038
मंगल 17/09/2036	28:14:16	धनु	नेप व	मक	17:00:07	मंगल 04/05/2039
राहु 11/02/2039	05:12:42	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	22:33:03	राहु 27/09/2041

लग्न-चलित

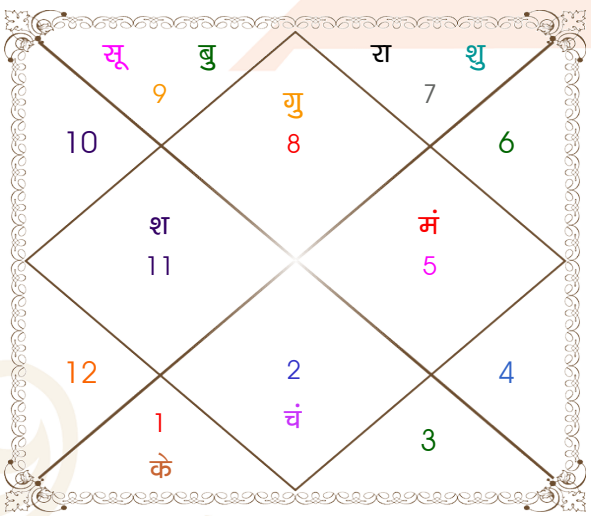

लग्न-चलित

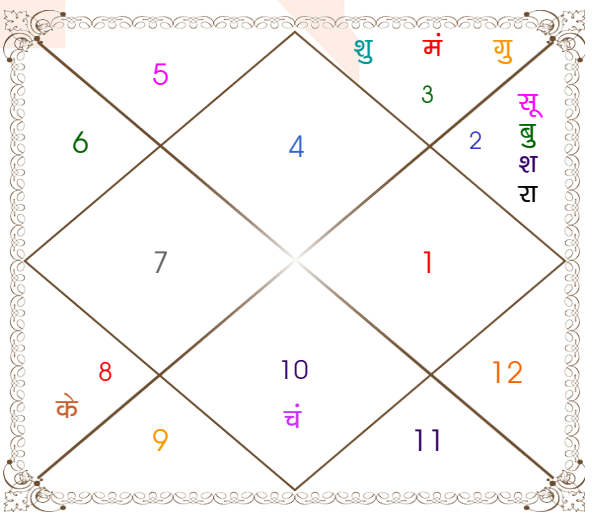

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Vishal jain का वर्ग मृग है तथा Garima bandhari का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal jain और Garima bandhari का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Garima bandhari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Garima bandhari कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Garima bandhari कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Vishal jain कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vishal jain तथा Garima bandhari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।